RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 16 MARCH 2022 TO 22 MARCH 2022 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 07 ■ अंक 28 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

इंडियन ऑयल ने भारी छूट पर रूस से 30 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा Page 2

कृषि क्षेत्र में ड्रोन के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है सरकार : अधिकारी Page 3

वाहन स्क्रैपिंग फैसिलिटी के रजिस्ट्रेशन और फंक्शन के लिए ड्राफ्ट नोटिफिकेशन जारी Page 4

editoria!

आत्मनिर्भरता जरूरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सुरक्षा पर बनी कैबिनेट कमिटी की अध्यक्षता की। इसमें यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस पर पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों और पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ सीमा को लेकर विवाद के मद्देनजर सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया गया। प्रधानमंत्री ने इस बैठक में रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के साथ आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल पर जोर दिया। भारत का पाकिस्तान और चीन दोनों के साथ सीमा विवाद है और उस पर दोनों के साथ लगी हुई सीमाओं पर पुख्ता रक्षा तैयारियों का दबाव है ताकि वह किसी भी चुनौती से निपट सके। दूसरी तरफ, भारत के 70 फीसदी रक्षा उपकरण रूस निर्मित हैं। यूक्रेन पर हमले को लेकर पश्चिमी देशों ने रूस पर कई प्रतिबंध लगाए हैं, जिनसे भारत के साथ उसके रक्षा सौदों और हथियारों की सप्लाई के प्रभावित होने का डर है। इस मुश्किल से बहुत कम समय में तो नहीं निकला जा सकता, लेकिन सरकार लंबी अवधि में यह लक्ष्य हासिल कर सकती है। इसके दो रास्ते हो सकते हैं। पहला, दूसरे देशों से हथियार खरीदे जाएं। इससे सप्लाई में विविधता आएगी और रूस पर निर्भरता कम होगी। इस दिशा में पहल हो भी रही है। सरकार ने राफेल लड़ाकू विमानों का सौदा फ्रांस से तो प्रीडेटर ड्रोन को अमेरिका से किया है। पिछले कुछ वर्षों में इस्राइल से भी भारत ने हथियारों की खरीदारी बढ़ाई है। दूसरा, भारत अपनी जरूरत के अधिक से अधिक हथियार देश में बनाए। इस दिशा में भी सरकार पहल कर रही है। निजी कंपनियों को भागीदार बनाया जा रहा है, लेकिन इस मामले में देश को लंबा सफर तय करना है। स्वदेशी हथियारों के मामले में भारत के पास बहुत कम उपलब्धियां हैं। सुरक्षा पर बनी कैबिनेट कमिटी में प्रधानमंत्री ने आधुनिकतम तकनीक के रक्षा क्षेत्र में इस्तेमाल का जो जिक्र किया, उस दिशा में भी रक्षा मंत्रालय की ओर से कोशिश हुई है। मंत्रालय चाहता है कि हाई पावर्ड लेजर वेपंस, हाइपरसोनिक ग्लाइड वीइकल्स और मीडियम लिफ्ट हेलिकॉप्टर जैसे हथियारों में प्राइवेट सेक्टर की कंपनियां अहम भूमिका निभाएं। इन प्रॉजेक्ट्स के लिए वे सरकारी क्षेत्र की कंपनियों के साथ मिलकर काम कर सकती हैं। रक्षा मंत्रालय ने ऐसे 18 प्रॉजेक्ट्स की पहचान की है, जिनमें से 14 को 'मेक 1' वर्ग में रखा गया है। इस वर्ग के प्रॉजेक्ट्स के बारे में खास बात यह है कि इनकी 70 फीसदी तक डिवेलपमेंट कॉस्ट सरकार उठाती है। साथ ही, अगर ये हथियार सभी मानकों पर खरे उतरते हैं तो पहले से तय मात्रा में सेना उन्हें खरीदेगी। यह बहुत बड़ी बात है। इस वजह से निजी क्षेत्र की कंपनियों की इनमें दिलचस्पी बढ़ सकती है क्योंकि उनके लिए जोखिम काफी कम हो जाएगा। अगर सरकार निजी क्षेत्र को वाजिब प्रोत्साहन दे और पब्लिक सेक्टर की कंपनियों की जवाबदेही पक्की करे तो रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में अच्छी प्रगति हासिल की जा सकती है।

हाय रे महंगाई!

जरूरी चीजों के बढ़े दाम तो निपटने का लोगों ने निकाला ये तरीका

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

महंगाई ने एफएमसीजी निर्माताओं को बढ़ी हुई लागत का बोझ भारतीय दुकानदारों पर डालने के लिए मजबूर किया है। इसने खरीदारी को प्रभावित किया है और 2021 की अंतिम तिमाही में खरीदारी में गिरावट दिखाई दे रही है। कंटार के वर्ल्डपैनल डिवीजन के आंकड़ों के अनुसार, उपभोक्ता कुछ विवेकाधीन उत्पादों की खरीद को कम करके और खाद्य तेल जैसी श्रेणियों में गैर-ब्रांडेड उत्पादों पर वापस जाने से कीमतों में बढ़ोतरी के असर से बचने की कोशिश कर रहे हैं। इसके अलावा एक और तरीका है, जिससे उपभोक्ता कीमत वृद्धि से निपटने की कोशिश कर रहे हैं। वह तरीका यह है कि उपभोक्ता कॉस्ट इफेक्टिव पैक की ओर बढ़ रहे हैं। बता दें कि होली आने से 1 महीने पहले से ही देश में दूध, चीनी, आटा, मैदा, रिफाइंड, दाल, मसाले, ड्राई फ्रूट, सरसों तेल, घी आदि की कीमतें बढ़नी शुरू हो गई थीं।

सॉस/कैचअप, जैम की शहरी पहुंच घटी

आंकड़ों के मुताबिक, सॉस/कैचअप की शहरी पहुंच 2021 की पहली तिमाही में 127ङ्क थी लेकिन चौथी तिमाही में यह घटकर 114ङ्क रह गई है। जैम की शहरी पहुंच भी ''1 के 108ङ्क से घटकर ''4 में 96ङ्क रह गई। खाद्य तेलों में गैर-ब्रांडेड वॉल्यूम हिस्सेदारी बढ़ती कीमतों के कारण 2021 की दूसरी तिमाही में घटकर 24.4ङ्क रह गई। लेकिन यह चौथी तिमाही के अंत तक वापस 26.2ङ्क हो गई। के रामकृष्णन, एमडी (दक्षिण एशिया), वर्ल्डपैनल डिवीजन, कंटार, का कहना है, 'कुछ श्रेणियों में हम देख रहे हैं कि उपभोक्ता एक प्रीमियम वेरिएंट से कम प्रीमियम वाले वेरिएंट पर शिफ्ट हो रहे हैं। स्टेपल्स जैसी अन्य श्रेणियों में हम गैर-ब्रांडेड कंपोनेंट में वृद्धि देख रहे हैं।'

हैंड वॉश और सेनिटाइजर की बिक्री घटी

हैंड वाश की पैठ में महामारी के शुरुआती महीनों के दौरान भारी उछाल देखा गया। 2021 की पहली तिमाही में यह 70% थी लेकिन चौथी तिमाही में गिरकर 61% पर आ गई। महामारी के बाद 2020 में हैंड वॉश और सैनिटाइजर में एक बड़ा उछाल देखा गया। इससे पहले सैनिटाइजर की पैठ लो सिंगल डिजिट्स में थी। महामारी काल में जैसे जैसे कोरोना के मामले बढ़े, सैनेटाइजर की मांग बढ़ती गई।

मैगी और चाय-कॉफी भी हुए महंगे

हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड और नेस्ले इंडिया ने अपने विभिन्न प्रॉडक्ट्स के दाम बढ़ा दिए हैं। इन प्रॉडक्ट्स में चाय, कॉफी, दूध और नूडल्स शामिल हैं। नेस्ले इंडिया ने मैगी नूडल्स की कीमतों में 9 से 16 फीसदी तक की बढ़ोतरी की है। मैगी के अलावा दूध और कॉफी पाउडर की कीमतों में भी बढ़ोतरी की है। प्ळथ ने ब्रू कॉफी, ताजमहल चाय को महंगा कर दिया है।

फरवरी में खुदरा महंगाई बढ़कर 6.07 फीसदी

खाद्य उत्पादों की कीमतों में आई तेजी की वजह से फरवरी में खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर 6.07 प्रतिशत पर पहुंच गई। राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी 2022 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति की दर 6.07 प्रतिशत रही। आंकड़ों से पता चलता है कि फरवरी में खुदरा महंगाई बढ़ने की मुख्य वजह खाद्य उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी रही। पिछले महीने खाद्य उत्पादों की कीमतें 5.89 प्रतिशत बढ़ीं, जबकि जनवरी में यह 5.43 प्रतिशत बढ़ी थीं।

थोक महंगाई 13.11 फीसदी पर

फरवरी 2022 में थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति बढ़कर 13.11 फीसदी पर पहुंच गई। कच्चे तेल और गैर-खाद्य वस्तुओं के दामों में तेजी आने के कारण खाद्य वस्तुओं के दामों में आई नरमी का फायदा नहीं मिला और थोक महंगाई बढ़ गई। थोक मुद्रास्फीति अप्रैल, 2021 से लगातार 11वें माह 10 प्रतिशत से ऊंची बनी हुई है।

पेट्रोल-डीजल पर राहत लेकिन लोगों में घबराहट

दाम बढ़ने के डर से लोग जमकर कर खरीद रहे फ्यूल

नयी दिल्ली। एजेंसी

विधानसभा चुनाव के बाद पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने की अटकलों के कारण मार्च माह के पहले 15 दिन देश में पेट्रोल, डीजल की बिक्री महामारी-पूर्व के स्तर को पार कर गई है। दाम बढ़ने की आशंका से उपभोक्ताओं और डीलर गाड़ियों के टैंक पूरी तरह भरवा रहे हैं।

मार्च में बढ़ गई बिक्री

उद्योग से प्राप्त आरंभिक आंकड़ों के अनुसार, लगभग 90 प्रतिशत बाजार पर नियंत्रण रखने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों की पेट्रोल की बिक्री एक से 15 मार्च के बीच 12.3 लाख टन रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 18 प्रतिशत और 2019 की तुलना में 24.4 प्रतिशत अधिक है। वहीं डीजल की सालाना आधार पर बिक्री 23.7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 35.3 लाख टन और 2019 के मुकाबले 17.3 फीसदी अधिक रही।

क्या हैं आंकड़ें?

आंकड़ों के मुताबिक, 1-15 मार्च 2020 के दौरान हुई बिक्री के मुकाबले इस वर्ष पेट्रोल 24.3 फीसदी अधिक और डीजल 33.5 फीसदी अधिक बिका। वहीं, पिछले महीने के मुकाबले पेट्रोल की बिक्री 18.8 प्रतिशत अधिक और डीजल की 32.8 फीसदी अधिक रही। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को कहा था कि कुछ इस तरह की टिप्पणियां आई हैं कि लोगों को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी से पहले अपनी गाड़ियों के टैंक पूरी तरह भरवाने चाहिए। इसी के बाद ईंधन की बिक्री में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

अभी क्या है रेट?

उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर नवंबर, 2021 से पेट्रोल और डीजल के दाम नहीं बढ़े हैं। इस दौरान कच्चे तेल का दाम 81 डॉलर से 130 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचा है। इसके बावजूद 132 दिन से वाहन ईंधन के दाम नहीं बढ़े हैं।

News यू केन USE

चालू वित्त वर्ष में निर्यात 410 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीदः गोयल

नयी दिल्ली। एजेंसी

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि देश से वस्तुओं के निर्यात का आंकड़ा चालू वित्त वर्ष में अब तक 380 अरब अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो चुका है और 2021-22 में इसके 410 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत और कनाडा ने एक मुक्त व्यापार समझौते के लिए औपचारिक रूप से बातचीत फिर से शुरू की है। इसे आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) का नाम दिया गया है। गोयल ने कनाडा की अपनी समकक्ष मैरी एनजी के सम्मान में आयोजित एक रात्रिभोज में कहा, ''सात मार्च 2022 तक, हमारा वस्तुओं का निर्यात 380 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक है। उम्मीद है कि वित्त वर्ष के अंत तक ये 410 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा। हमारा सेवाओं का निर्यात रिकॉर्ड 240 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक रहेगा।''

भारत में फिलहाल 87 विदेशी पायलट काम कर रहे : सरकार

नयी दिल्ली। एजेंसी

सरकार ने सोमवार को राज्यसभा को बताया कि भारतीय एयर लाइनों में कार्यरत करीब 9,000 पायलटों में से केवल 87 पायलट ही दूसरे देशों के हैं। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री वी के सिंह ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह भी बताया कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 10 जून 2019 की स्थिति के अनुसार, देश में 404 विदेशी पायलट काम कर रहे थे। सिंह ने बताया ''देश में पायलटों की कमी नहीं है। कुछ प्रकार के विमानों के लिए कमांडरों की कमी है और इसका प्रबंधन 'फॉरेन एयरक्रू टेम्प्रेरी ऑथराइजेशन' (एफएटीए) जारी कर विदेशी पायलटों का उपयोग करते हुए किया जा रहा है।'' उन्होंने बताया कि भारत में एफएटीए के तहत फिलहाल 87 विदेशी पायलट हैं । उन्होंने बताया कि 2019 में देश में 2,368 पायलटों की भर्ती की गई थी जबकि 2020 में यह संख्या 400 और 2021 में 296 थी।

रूस-यूक्रेन युद्ध से रुपये के बड़े पैमाने पर प्रभावित होने की आशंका नहीं: एसबीआई शोध

कोलकाता। एजेंसी

यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध का भारतीय रुपये और देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर उल्लेखनीय प्रभाव पड़ने की आशंका नहीं है। एसबीआई की शोध रिपोर्ट इकोरैप में यह अनुमान लगाया गया है। एसबीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, ये प्रभाव 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के मुकाबले काफी कम होगा। रिपोर्ट में कहा गया कि हालांकि दोनों सीआईएस देशों के बीच संघर्ष खिंच सकता है, इसलिए उम्मीद है कि डॉलर-रुपये की विनियम दर उच्चस्तर पर बनी रहेगी। इकोरैप के मुताबिक डॉलर-रुपये की विनिमय दर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 76 रुपया से 78 रुपये के बीच रह सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, रिजर्व बैंक विदेशी मुद्रा बाजार में सक्रिय है और रुपये को संभाल रहा है।

रंजीत रथ होंगे ऑयल इंडिया के नए चेयरमैन, पीईएसबी ने किया चयन

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

रंजीत रथ सार्वजनिक क्षेत्र की दूसरी सबसे बड़ी पेट्रोलियम कंपनी ऑयल इंडिया लि. (ओआईएल) के नए प्रमुख होंगे। सार्वजनिक उपक्रमों के लिए शीर्ष अधिकारियों का चयन करने वाले सार्वजनिक उपक्रम चयन बोर्ड (पीईएसबी) ने रथ का नाम ऑयल इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक पद के लिए चुना है। रथ (50) फिलहाल मिनरल एक्सप्लोरेशन कॉरपोरेशन लि. (एमईसीएल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक हैं। पीईएसबी की अधिसूचना के अनुसार, नौ मार्च को पांच आवेदकों के साक्षात्कार के बाद रथ के नाम पर मुहर लगाई गई।

खास बात यह है कि इस पद के लिए ऑयल इंडिया के निदेशक मंडल के दो निदेशक तथा एक अन्य कार्यकारी निदेशक भी दौड़ में थे, लेकिन रथ को इनपर तरजीह दी गई। ऑयल इंडिया के मौजूदा चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सुशील चंद्र मिश्रा 30 जून को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। रथ खान मंत्रालय के तहत मिनीरत्न कंपनी एमईसीएल के नवंबर, 2018 से चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक हैं। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) तथा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से मंजूरी के बाद उनका नाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) के पास भेजा जाएगा।

यहां उल्लेखनीय है कि पीईएसबी ने 28 जून, 2021 को रथ को भारत कोकिंग कोल लि. (बीसीसीएल) का चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक चुना था। यह स्पष्ट नहीं है कि इस पद पर उनकी नियुक्ति क्यों नहीं हुई। दिसंबर, 2021 में बीसीसीएल के निदेशक-वित्त समिरन दत्ता को कंपनी का नया चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया। ऑयल इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक पद के लिए पीईएसबी ने कंपनी के निदेशक (वित्त) हरीश माधव और निदेशक (परिचालन) पंकज कुमार गोस्वामी का भी साक्षात्कार लिया था। इनके अलावा ऑयल इंडिया के कार्यकारी निदेशक अगध मेधी और मद्रास फर्टिलाइजर लि. के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सरवनन यू का भी साक्षात्कार हुआ था।

जनवरी में औद्योगिक उत्पादन 1.3 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

जनवरी 2022 में औद्योगिक उत्पादन सालाना आधार पर 1.3 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। यह वृद्धि मुख्य रूप से खनन और विनिर्माण क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन की वजह से हुई है। शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक समीक्षाधीन अवधि में पूंजीगत वस्तु खंड का कमजोर प्रदर्शन जारी रहा। जनवरी 2021 में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में 0.6 प्रतिशत की गिरावट आई थी। दिसंबर में यह सूचकांक 0.7 प्रतिशत बढ़ा था।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2021 में खनन क्षेत्र में 2.4 प्रतिशत की दर्ज की गई गिरावट के मुकाबले जनवरी 2022 में 2.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। विनिर्माण क्षेत्र में जनवरी 2022 के दौरान 1.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि एक साल पहले इसी महीने इसमें 0.9 प्रतिशत की गिरावट आई थी। हालांकि बिजली उत्पादन में जनवरी 2022 में 0.9 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि जनवरी 2021 में 5.5 प्रतिशत का विस्तार हुआ था। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जनवरी अवधि में, आईआईपी की वृद्धि दर 13.7 प्रतिशत रही, जबकि वर्ष 2020-21 की समान अवधि में इसमें 12 प्रतिशत की गिरावट आई थी। आंकड़ों के मुताबिक पूंजीगत वस्तु खंड 1.4 प्रतिशत घटा जबकि पिछले साल समान अवधि में इसमें नौ प्रतिशत की भारी गिरावट हुई थी। उपभोक्ता वस्तु खंड में भी सालाना आधार पर 3.3 प्रतिशत की गिरावट हुई। हालांकि, प्राथमिक वस्तु खंड, जिसकी 34 प्रतिशत हिस्सेदारी सूचकांक में है, 1.6 प्रतिशत बढ़ा। कोविड महामारी के चलते कई महीनों तक गिरावट के बाद आईआईपी मार्च 2021 से सकारात्मक बना हुआ है।

इंडियन ऑयल ने भारी छूट पर रूस से 30 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने कच्चे तेल की मौजूदा अंतरराष्ट्रीय दरों के मुकाबले रूस से भारी छूट पर 30 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि आओईसी ने मई डिलिवरी के लिए 'यूराल्स क्रूड' को दिनांकित ब्रेंट की तुलना में 20 से 25 डॉलर प्रति बैरल की छूट पर खरीदा है। अमेरिका समेत पश्चिमी देशों द्वारा आर्थिक प्रतिबंध लगाए जाने के बाद रूस ने भारत और अन्य बड़े आयातकों को रियायती कीमतों पर तेल और अन्य वस्तुओं की पेशकश शुरू कर दी है। आईओसी ने अपनी शर्तों के आधार पर रूस से कच्चे तेल ख़रीदा है। इसमें विक्रेता द्वारा भारतीय तट तक कच्चे तेल की आपूर्ति शामिल है। यह शर्त माल ढुलाई और बीमा की व्यवस्था में प्रतिबंधों के कारण होने वाली किसी भी जटिलता से बचने के लिए रखी गई थी। अपनी कच्चे तेल की जरूरत का करीब 85 प्रतिशत आयात से पूरा करने वाला भारत सस्ती दरों पर कच्चे तेल की खरीद कर ऊर्जा बिल में कमी लाना चाहता है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को राज्यसभा को बताया कि देश गैर-पारंपरिक आपूर्तिकर्ता से ईंधन खरीदने के लिए आवश्यक बीमा और माल ढुलाई जैसे पहलुओं पर विचार करने के बाद ही रियायती कीमतों पर कच्चे तेल को बेचने के रूस के प्रस्ताव का मूल्यांकन करेगा। गौरतलब है कि भारत अपनी कच्चे तेल जरूरतों का सिर्फ 1.3 प्रतिशत ही रूस से खरीदता है।

फरवरी में निर्यात 25 प्रतिशत बढ़कर 34.57 अरब डॉलर पर, व्यापार घाटा 20.88 अरब डॉलर हुआ

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

इंजीनियरिंग, पेट्रोलियम और रसायन जैसे क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन से देश का वस्तुओं का निर्यात फरवरी में 25.1 प्रतिशत बढ़कर 34.57 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस दौरान व्यापार घाटा भी बढ़कर 20.88 अरब डॉलर रहा। वाणिज्य मंत्रालय के सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य महीने में आयात 36 प्रतिशत बढ़कर 55.45 अरब डॉलर रहा, जिसमें पेट्रोलियम और कच्चे तेल का आयात 69 प्रतिशत बढ़कर 15.28 अरब डॉलर हो गया।

फरवरी, 2021 में व्यापार घाटा 13.12 अरब डॉलर था।

मंत्रालय के अनुसार, कुल मिलाकर निर्यात चालू वित्त वर्ष 2021-22 के पहले 11 माह (अप्रैल-फरवरी) के दौरान 46.09 प्रतिशत बढ़कर 374.81 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। एक साल पहले इसी अवधि में यह 256.55 अरब डॉलर था। आलोच्य अवधि में आयात 59.33 प्रतिशत बढ़कर 550.56 अरब डॉलर रहा। वहीं व्यापार घाटा 175.75 अरब डॉलर रहा जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 88.99 अरब डॉलर था। आंकड़ों के अनुसार, फरवरी में सोने का आयात 9.65 प्रतिशत घटकर 4.8 अरब डॉलर रह गया। वहीं इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों का आयात 29.53 प्रतिशत बढ़कर 6.27 अरब डॉलर पर पहुंच गया। फरवरी, 2022 में इंजीनियरिंग सामान का निर्यात 32 प्रतिशत बढ़कर 9.32 अरब डॉलर पर और पेट्रोलियम का निर्यात 88.14 प्रतिशत बढ़कर 4.64 अरब डॉलर पर पहुंच गया। रसायनों का निर्यात 25.38 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 2.4 अरब डॉलर रहा। हालांकि, फार्मास्युटिकल्स निर्यात 1.78 प्रतिशत घटकर 1.96 अरब डॉलर रह गया। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि जिंसों के ऊंचे दाम मार्च, 2022 में आयात को प्रभावित करेंगे, वहीं कच्चे तेल के आयात की मात्रा कुल व्यापार घाटे की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगी। ''हमारा मानना है कि चालू महीने में व्यापार घाटा 20 अरब डॉलर से अधिक रहेगा।''

शारजाह सैफ जोन ने मध्य प्रदेश के उद्योगपतियों के लिए बिछाया लाल कालीन

इंदौर। एजेंसी

भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच पिछले महीने हुए मुक्त व्यापार समझौते के बाद शारजाह विमानतल अंतरराष्ट्रीय मुक्त व्यापार क्षेत्र (सैफ जोन) के आला अधिकारियों ने मध्यप्रदेश से निवेश आकर्षित करने के लिए इंदौर में कारोबारियों तथा उद्योगपतियों से सोमवार को मुलाकात की। यह मुलाकात उद्योग मंडल एसोचैम के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम के दौरान की गई। इसमें सैफ जोन के निदेशक सऊद सलीम अल मजरुई और शारजाह सरकार के इस मुक्त व्यापार क्षेत्र के अन्य शीर्ष अधिकारी मौजूद थे। इस मौके पर मजरुई ने कहा कि एफटीए के बाद भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच आर्थिक संबंध प्रगाढ़ होंगे तथा मध्य प्रदेश के कारोबारी व उद्योगपति सैफ जोन में अपनी इकाइयां स्थापित कर निवेश के आकर्षक अवसरों का लाभ उठा सकते हैं। एसोचैम की मध्य प्रदेश विकास परिषद के उपाध्यक्ष अखिलेश राठी ने कहा कि राज्य में दवाओं, कपड़ों, इंजीनियरिंग उत्पादों तथा चमड़े के सामान का प्रमुख रूप से उत्पादन होता है और प्रदेश के उद्योगपति अपना कारोबार बढ़ाने के लिए सैफ जोन में निवेश और निर्यात की संभावनाएं खंगाल सकते हैं। एसोचैम के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि एफटीए से भारत और संयुक्त अरब अमीरात की कंपनियों को महत्वपूर्ण लाभ मिलेंगे। इसमें बेहतर बाजार पहुंच और कम शुल्क दरें शामिल हैं। इस एफटीए से वर्ष 2030 तक दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार मौजूदा के 60 अरब डॉलर से बढ़कर 100 अरब डॉलर पहुंच जाने की उम्मीद है।

60 मिनट में शुरू कर सकते हैं अपना कारोबार

'शारजाह एयरपोर्ट इंटरनेशनल फ्री जोन में व्यापार के अवसर' परिचर्चा में सैफ जोन के डायरेक्टर सौद सलीम अल मज़रोउई ने कहा कि शारजाह एयरपोर्ट इंटरनेशनल फ्री (सैफ) जोन व्यापार का एक ऐसा केंद्र है जहां से न केवल दुबई के, बल्कि पूरे विश्व में देशों तक व्यापार के लिए पहुंचा जा सकता है। केवल 2 लाख रूपए, यानि 10 हज़ार दिरहम देकर, सैफ जोन में कोई भी छोटे से बड़ा कारोबारी अपना ऑफिस या फैक्ट्री खोल सकता है, जिसमें एक साल का किराया, बिजली, पानी, सारी अनुमतियाँ और 3 लोगों का वीसा शामिल है। इच्छुक व्यक्ति को सैफ जोन के कार्यालय में जाकर बस अपने दस्तावेज़ जमा करने होंगे और बिना अपनी कुर्सी से हिले, उनके हाथ में उनके ऑफिस की चाबी लाकर दे दी जाएगी। यहां से कारोबार करने पर किसी भी प्रकार का कर नहीं वसूला जाएगा।

अब सोया प्रॉडक्ट्स पर भी होगा ISI मार्क! BIS का आदेश

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

भारतीय मानक ब्यूरो ने विनिर्माताओं को सोया उत्पादों पर 'ISI' के निशान का इस्तेमाल करने को कहा है। आम लोगों के बीच सोया उत्पादों के बढ़ते इस्तेमाल को देखते हुए ऐसा किया गया है। सरकारी प्रमाणन एजेंसी बीआईएस ने गुरुवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि सोया उत्पाद विनिर्माता उससे गुणवत्ता का प्रमाण लेकर अपने उत्पादों पर आईएसआई के निशान का इस्तेमाल करना शुरू करें। बीआईएस ने सोया उत्पादों के संबंध में भारतीय मानक विषय पर आयोजित एक वेबिनार में कहा कि सोयाबीन से बनने वाले अलग-अलग उत्पादों की स्वीकार्यता लोगों के बीच लगातार बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में इन उत्पादों के मानक को सुनिश्चित करना जरूरी है।

नए सोया उत्पादों के लिए तैयार हो रहे हैं मानक

बीआईएस ने कहा कि सोया उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के अलावा इनके भौतिक, रासायनिक एवं जीवाणु-संबंधी मानकों को बनाए रखने के लिए परीक्षण पद्धतियों को मानकीकृत करना जरूरी है। इसने पहले ही सोया आटा, सोया मिल्क, सोया नट्स और सोया बटर जैसे उत्पादों के लिए भारतीय मानक जारी किए हुए हैं। नए सोया उत्पादों के लिए मानक तैयार करने की प्रक्रिया अभी जारी है।

छुट्टी के दिन भी खुलेंगे इनकम टैक्स के दफ्तर

नई दिल्ली। एजेंसी

इनकम टैक्स विभाग के दफ्तरों में शनिवार और रविवार को अवकाश होता है। लेकिन इस महीने सभी शनिवार को ये खुले रहेंगे। ऐसा इसलिए, ताकि करदाताओं की शिकायतों को शीघ्र निपटाया जा सके। दरअसल केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के सख्त निर्देश से ऐसा हो रहा है। ऐसी सूचना है कि करदाताओं की शिकायतें बढ़ रही हैं। इन्हीं शिकायतों को दूर करने में इनकम टैक्स विभाग को सक्रिय भूमिका निभाने का निर्देश वित्त मंत्री से मिला है। यही वजह है कि देश भर में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के दफ्तर इस महीने सभी शनिवारों को खुले रहेंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि सीतारमण ने इस सप्ताह की शुरुआत में सीबीडीटी और सीबीआईसी को बेंगलुरू में एक कार्यक्रम के दौरान कथित तौर पर करदाताओं की शिकायतों का जवाब नहीं देने के लिए फटकार लगाई थी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रधान आयकर आयुक्त के स्तर तक के सभी आयकर कार्यालय इस महीने सभी शनिवारों को खुले रहेंगे। यह व्यवस्था 12 मार्च मतलब आज से ही शुरू हो जाएगी। आम तौर पर शनिवार और रविवार को आयकर विभाग के कर्मचारियों के लिए छुट्टी का दिन होता है।

कृषि क्षेत्र में ड्रोन के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है सरकार : अधिकारी

नयी दिल्ली। एजेंसी

पौध संरक्षण, संगरोध एवं भंडारण निदेशालय (डीपीपीक्यूएस) के वरिष्ठ अधिकारी रवि प्रकाश ने कहा है कि सरकार के तीन संबंधित विभाग कृषि क्षेत्र में ड्रोन को इस्तेमाल में लाने के लिए संयुक्त रूप से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि डीपीपीक्यूएस के तहत केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड और पंजीकरण समिति (सीआईबी एंड आरसी) को आठ फसल संरक्षण कंपनियों से ड्रोन के परीक्षण की अनुमति के लिए आवेदन प्राप्त हुए हैं। क्रॉपलाइफ इंडिया और गैर-लाभकारी संस्था थिंकएजी द्वारा आयोजित एक उद्योग गोलमेज सम्मेलन में वर्चुअल तरीके से इस मुद्दे पर चर्चा करते हुए प्रकाश ने कहा कि ड्रोन किसानों के लिए सस्ते है और बेहतर उत्पादन में मदद करते हैं।

एक बयान के अनुसार, प्रकाश ने गोलमेज चर्चा में कहा, "नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए), कृषि मंत्रालय और सीआईबी और आरसी कृषि क्षेत्र में तेजी से आवेदनों का निपटान करने तथा फसल स्वास्थ्य निगरानी एवं मिट्टी के पोषक तत्वों का छिड़काव सहित अन्य जरूरी कार्यों के लिए ड्रोन को अपनाने पर संयुक्त रूप से काम कर रहे हैं।" उद्योग मंडल क्रॉपलाइफ इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) असितव सेन ने कहा कि ड्रोन पर नीतिगत ढांचा तैयार है और कृषि क्षेत्र में ड्रोन को बढ़ावा देने का यह सही समय है। ड्रोन फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष स्मित शाह के अनुसार, "तैयार ड्रोन के आयात पर प्रतिबंध एक स्वागतयोग्य कदम है क्योंकि इससे घरेलू ड्रोन निर्माण उद्योग को बढ़ने में मदद मिलेगी। स्थानीय विनिर्माण पर कोई रोक लगाये बगैर, इंजन और बैटरी सहित ड्रोन के आवश्यक घटकों का अभी भी आयात किया जा सकता है।"

वाहन स्क्रैपिंग फैसिलिटी के रजिस्ट्रेशन और फंक्शन के लिए ड्राफ्ट नोटिफिकेशन जारी

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने मोटर वाहन पंजीकरण और वाहन स्क्रैपिंग फैसिलिटी संशोधन के कार्य नियम, 2022 से संबंधित ड्राफ्ट नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। ये मोटर वाहन पंजीकरण और वाहन स्क्रैपिंग फैसिलिटी के कार्य नियम 23 सितंबर 2021 के संशोधन हैं, जो पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग फैसिलिटी आरवीएसएफ की स्थापना के लिए प्रक्रिया निर्धारित करते हैं।

जारी किए गए बयान में कहा गया कि ये संशोधन इकोसिस्टम के सभी हितधारकों, जैसे वाहन मालिकों, आरवीएसएफ ऑपरेटरों, डीलरों, क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकारों आदि के लिए वाहन स्क्रैपिंग की प्रक्रिया को सरल और डिजिटल बनाने के लिए किए गए हैं। संशोधन, नियमों पर प्राप्त फीडबैक के आधार पर किए गए हैं और कारोबार में आसानी सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रियाओं को समयबद्ध बनाया गया है।

- वाहन मालिकों को वाहन स्क्रैपिंग के लिए डिजिटल रूप से आवेदन करने का प्रावधान। वाहनों की स्क्रैपिंग के लिए सभी आवेदन डिजिटल रूप से जमा किए जाएंगे। स्क्रैप करने के लिए वाहन मालिकों को डिजिटल रूप से आवेदन करने में मदद के लिए, आरवीएसएफ सुविधा केंद्र के रूप में कार्य करेंगे।

- वाहन मालिक द्वारा आवेदन जमा करने से पहले, वाहन डेटाबेस से की जाने वाली आवश्यक जांच को निर्दिष्ट किया गया है। इन जांचों में शामिल हैं- वाहन की किराया-खरीद, पट्टा या हाइपोथिकेशन एग्रीमेंट जमा, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के रिकॉर्ड में वाहन के खिलाफ कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है, वाहन पर कोई बकाया नहीं है और क्षेत्रीय परिवहन अधिकारियों द्वारा वाहन को ब्लैकलिस्ट करने का कोई रिकॉर्ड नहीं है। इनमें से किसी भी जांच में विफल रहने वाले वाहनों के लिए आवेदन जमा नहीं किए जाएंगे।

- वाहन जमा करने के समय वाहन मालिक और आरवीएसएफ ऑपरेटर द्वारा अंडरटेकिंग्स की शुरुआत से यह सुनिश्चित होगा कि स्क्रैपिंग के लिए प्रस्तुत करने से पहले और बाद में वाहन की जिम्मेदारी में पारदर्शिता बरती गई है।

- स्क्रैपिंग के लिए प्रस्तुत वाहन से संबंधित अधिक विवरण जमा प्रमाणपत्र में शामिल करना, ताकि उक्त प्रमाण पत्र के कारोबार में पारदर्शिता को सक्षम बनाया जा सके। उक्त प्रमाण पत्र वाहन मालिकों को डिजिटल रूप से उपलब्ध होंगे और

इनकी वैधता- अवधि 2 वर्ष की होगी।

- जमा के ट्रांसफर सर्टिफिकेट की शुरुआत यह सुनिश्चित करने के लिए की गई है कि इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग के माध्यम से जमा प्रमाणपत्र प्राप्त करने वाले उपभोक्ताओं के पास लेनदेन का डिजिटल प्रमाण मौजूद रहे।

विदेश घूमने के हैं शौकीन तो शुरू कर दें तैयारियां

सरकार ने ले लिया है बड़ा फैसला

नई दिल्ली। अगर आप हवाई उड़ान के जरिए विदेश यात्रा करना चाहते हैं, तो आपके लिए अच्छी खबर है। जल्द ही कोरोना वायरस महामारी से पहले की तरह अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का परिचालन सुचारू रूप से शुरू हो जाएगा। नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रविवार यह जानकारी दी है। सिंधिया ने कहा कि 27 मार्च 2022 से वैश्विक कनेक्टिविटी पर सारे प्रतिबंध हटाए जाएंगे। अर्थात कोरोना महामारी से पहले जो स्थिति अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट्स की थी, वह स्थिति वापस आ जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों से हटी पाबंदियां

सिंधिया ने कहा कि भारत में कोविड-19 का प्रकोप घटने के कारण अनुसूचित अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों पर से तमाम पाबंदियां हटा ली गई हैं और ये उड़ानें महामारी से पहले की स्थिति में 27 मार्च से बहाल हो जाएंगी। सिंधिया ने कहा, 'उडान योजना के तहत 65 नए हवाई अड्डे और 405 नए रूट बने हैं। 27 मार्च 2022 से वैश्विक कनेक्टिविटी पर सारे प्रतिबंध हटाए जाएंगे। इसका ऑर्डर मैंने पास कर दिया है। यानी कोविड से पहले जो स्थिति अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट्स की थी, उस स्थिति पर वापस जाएंगे।' सिंधिया ने इंदौर में एक कार्यक्रम के दौरान यह बात कही।

जानिए कब से लगे हैं प्रतिबंध

गौरतलब है कि कोरोना वायरस के प्रकोप के कारण देश में अनुसूचित अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवाएं 23 मार्च 2020 से स्थगित हैं। हालांकि, जुलाई 2020 से करीब 35 देशों के साथ एयर बबल व्यवस्था के तहत भारत से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का परिचालन हो रहा है।

यूक्रेन से वतन वापस लौटे 18,000 स्टूडेंट्स

सिंधिया ने बताया कि नरेंद्र मोदी सरकार ने रोमानिया, मोल्दोवा, हंगरी, स्लोवाकिया और पोलैंड के राष्ट्र प्रमुखों से बात कर सुरक्षित कॉरिडोर बनाया और युद्धग्रस्त यूक्रेन से ऑपरेशन गंगा के तहत करीब 18,000 भारतीय विद्यार्थियों की स्वदेश वापसी सुनिश्चित की। उन्होंने दावा किया कि यह इतिहास में पहली बार हुआ, जब भारतीय नागरिकों को किसी युद्धग्रस्त देश से बचाकर इतनी बड़ी तादाद में स्वदेश लाया गया हो। नागर विमानन मंत्री ने कहा, 'भारतीय विद्यार्थियों के साथ ही हमने पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल सरीखे पड़ोसी मुल्कों के कुछ नागरिकों को भी यूक्रेन से सुरक्षित निकाला।'

भारत और कनाडा एफटीए वार्ता फिर से शुरू करने पर हुए सहमत

नयी दिल्ली। एजेंसी

भारत और कनाडा प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए औपचारिक रूप से वार्ता फिर से शुरू करने पर शुक्रवार को सहमत हुए। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देना है। इस मुद्दे पर व्यापार और निवेश पर पांचवीं मंत्रिस्तरीय वार्ता (एमडीटीआई) के दौरान चर्चा की गई। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कनाडा की लघु व्यवसाय, निर्यात संवर्धन और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री मैरी एनजी ने इस बैठक की सह-अध्यक्षता की। दोनों देश एक अंतरिम समझौते या प्रारंभिक प्रगति व्यापार समझौते पर विचार करने पर भी सहमत हुए जो दोनों देशों के लिए त्वरित वाणिज्यिक लाभ दे सकता है। बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान के अनुसार, मंत्रियों ने भारत और कनाडा के बीच मौजूदा व्यापार मदद पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि समझौते से सभी क्षेत्रों में संभावनाओं का दोहन करके वस्तुओं एवं सेवाओं के क्षेत्र में द्विपक्षीय व्यापार का विस्तार करने में मदद मिलेगी। दोनों देशों ने दालों, स्वीट कॉर्न, बेबी कॉर्न और केला जैसी वस्तुओं के लिए अधिक से अधिक बाजार पहुंच प्रदान करने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने फार्मास्यूटिकल्स और महत्वपूर्ण एवं दुर्लभ खनिजों के साथ-साथ पर्यटन, शहरी बुनियादी ढांचे, नवीकरणीय ऊर्जा और खनन जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। कनाडा को भारत का निर्यात वर्ष 2020-21 में 2.9 अरब डॉलर का हुआ था जो वर्ष 2019-20 में 2.85 अरब डॉलर रहा था। वहीं कनाडा से भारत का आयात वर्ष 2020-21 में 2.68 अरब डॉलर रहा जो वर्ष 2019-20 में 3.9 अरब डॉलर था।

अगले 6 माह के अंदर देश में बनने लगेंगे फ्लेक्स-फ्यूल व्हीकल- परिवहन मंत्री

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को कहा कि ऑटोमोबाइल कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने उनसे वादा किया है कि वे छह महीने के भीतर फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों का विनिर्माण शुरू कर देंगे। गडकरी ने एक आयोजन में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित करते हुए कहा कि सरकार सार्वजनिक परिवहन को 100 प्रतिशत स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों से चलाने की योजना पर काम कर रही है। उन्होंने कहा, 'इस हफ्ते, मैंने सभी बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनियों के प्रबंध निदेशकों और सियाम के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। उन्होंने मुझसे वादा किया कि वे ऐसे वाहनों के लिए फ्लेक्स-फ्यूल इंजन का विनिर्माण शुरू करेंगे, जो एक से अधिक ईंधन से चल सकते हैं।'

क्या है फ्लेक्स फ्यूल

फ्लेक्स-फ्यूल, गैसोलीन और मेथनॉल या इथेनॉल के मिश्रण से तैयार एक वैकल्पिक ईंधन है। उन्होंने कहा कि टीवीएस मोटर और बजाज ऑटो जैसी कंपनियों ने पहले ही दोपहिया और तिपहिया वाहनों के लिए फ्लेक्स-फ्यूल इंजन का विनिर्माण शुरू कर दिया है।

भारत के साथ सीमा पर व्यापार के लिए मुद्रा परिवर्तन की सुविधा पर विचार कर रहा म्यांमा

सिंगापुर। एजेंसी

म्यांमा सरकार भारत के साथ लगी सीमा पर व्यापार के लिए भारतीय रुपये के परिवर्तन की सुविधा के बारे में विचार कर रही है। इससे पहले, म्यांमा ने पड़ोसी देशों के साथ सीमा पर सौदे करने के लिए 'थाई बात' के आधिकारिक इस्तेमाल को लेकर समझौता किया था। म्यांमा के सूचना मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा, ''म्यांमा सरकार का इरादा भारत के साथ लगी सीमा पर व्यापार के लिहाज से भारतीय रुपया के लिए इसी तरह मुद्रा परिवर्तन की सुविधा सीमा पर ही देने का है।'' म्यांमा सरकार ने सीमा पर व्यापार के लिए इस महीने से 'थाई बात' को आधिकारिक मुद्रा के रूप में इस्तेमाल करने पर सहमति जताई थी।

वित्त राज्य मंत्री राज्यसभा में बोले

क्रिप्टोकरेंसी शुरू करने की कोई योजना नहीं

नयी दिल्ली। एजेंसी

सरकार ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि आरबीआई द्वारा विनियमित क्रिप्टोकरेंसी शुरू करने की कोई योजना नहीं है। राज्यसभा में क्रिप्टोकरेंसी पर पूछे गए एक सवाल के लिखित जवाब में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सरकार की राय व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश में क्रिप्टोकरेंसी पूरी तरह से अनियमित है और आरबीआई किसी भी तरह की कोई क्रिप्टोकरेंसी जारी नहीं करता है।

क्रिप्टोकरेंसी बिल पर काम जारी

उन्होंने कहा कि पारंपरिक कागजी मुद्रा आरबीआई अधिनियम, 1994 के प्रावधानों के अनुसार रिजर्व बैंक द्वारा जारी एक कानूनी निविदा है। पारंपरिक कागजी मुद्रा के एक डिजिटल संस्करण को सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) कहा जाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में क्रिप्टोकरेंसी पर एक बिल लंबित है और इस पर बीते एक साल से अधिक समय से काम चल रहा है। हालांकि, ये बिल न कुछ कारणों के चलते मानसून सत्र और चालू बजट सत्र में पेश नहीं किया जा सका। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी कहा है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद इस विधेयक का विवरण सार्वजनिक किया जाएगा।

सरकार हर हस्ताक्षेप को तैयार

इसके साथ ही देश में पेट्रोल-डीजल के दामों में बढ़ोतरी की संभावनाओं को लेकर वित्त राज्य मंत्री ने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के कारण विकसित हो रहे भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर सरकार कड़ी नजर रख रही है। उन्होंने कहा कि आम आदमी के हितों की रक्षा में ईंधन की कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए सरकार हर तरह का हस्ताक्षेप करने के लिए तैयार है। पंकज चौधरी ने कहा कि थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) में प्राकृतिक गैस, ईंधन और बिजली उपसमूह का कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से सीधा संबंध है। देश में ईंधन की कीमतें बढ़ने पर आम जनता को राहत देने के लिए उत्पाद शुल्क में कटौती के सवाल पर उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां पेट्रोल और डीजल की कीमतें निर्धारित करती हैं। मंत्री ने सदन को आगे बताया कि समय के साथ नोटों की छपाई में कमी आई है। उन्होंने कहा कि 2019-20 के दौरान 4,378 करोड़ रुपए के नोट छापे गए, जबकि 2020-21 में 4,012 करोड़ रुपए के नोट छापे गए, जबकि 2016-17 में 7,965 करोड़ रुपए के नोट छापे गए थे।

देश के पहले डिजिटल वॉटर डेटा बैंक 'एक्वेरियम' की शुरुआत

बेंगलुरु। एजेंसी

कर्नाटक के सूचना प्रौद्योगिकी एवं जैव प्रौद्योगिकी मंत्री सी एन अश्वथ नारायण ने सोमवार को देश के पहले डिजिटल वॉटर डेटा बैंक 'एक्वेरियम' का उद्घाटन किया। नारायण ने बेंगलुरु स्थित कंपनी एक्वाक्राफ्ट ग्रुप वेंचर्स के इस डिजिटल स्टार्टअप की शुरुआत करते हुए कहा कि टिकाऊ एवं हरित प्रौद्योगिकियों का सूचना प्रौद्योगिकी, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता के साथ संयोजन वाला यह एक अनूठा नवाचार है। उन्होंने स्वच्छ जल एवं जल सुरक्षा को भारत के लिए अहम बताते हुए कहा कि देश का 297 अरब डॉलर का जल एवं स्वच्छता बाजार बेहद असंगठित है और जल प्रबंधन की दिशा में समग्र दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है।

एक्वेरियम को पेश करने वाली कंपनी एक्वाक्राफ्ट के संस्थापक चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुब्रमण्यम कुसनूर ने कहा कि यह नवाचार, टिकाऊपन एवं सामाजिक उद्यमशीलता के केंद्र के तौर पर काम करेगा। एक्वेरियम के माध्यम से पानी, साफ-सफाई, जल-भूगर्भ विज्ञान एवं डेटा साइंस के क्षेत्रों में 10 लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण देने की योजना है। यह सामाजिक फ्रेंचाइजी मॉडल पर काम करेगा।

इस महीने दूसरी बार बढ़े जेट फ्यूल के भाव 1 लाख रुपए के पार हुई ATF की कीमतें

नयी दिल्ली। एजेंसी

हवाई जहाज से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए बड़ी खबर है। जेट फ्यूल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी हुई है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने जेट फ्यूल की कीमतों में 17,136 रुपए प्रति किलोलीटर की बढ़ोतरी की है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एटीएफ की कीमत बढ़कर 1.10 लाख रुपए प्रति किलोलीटर हो गई। जेट फ्यूल के भाव में बढ़ोतरी से हवाई सफर महंगा हो सकता है। किसी एयरलाइन की परिचालन लागत में विमान ईंधन की लगभग 40 फीसदी हिस्सेदारी है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के ऊंचे भाव के चलते इस साल ATF की कीमतों में यह छठी बढ़ोतरी है।

अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में आज कच्चे तेल की कीमत एक बार फिर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार हो गई है। ब्रेंट क्रूड का भाव 0.96 फीसदी चढ़कर 100.90 डॉलर प्रति बैरल हो गई। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड का भाव 0.61 फीसदी बढ़कर 97.03 डॉलर प्रति बैरल रहा। आपको बता दें कि पिछले पखवाड़े में अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क के औसत मूल्य के आधार पर हर महीने की 1 और 16 तारीख को जेट फ्यूल की कीमतों में बदलाव किया जाता है।

फ्लाइट टिकट 30% तक हुए महंगे

महंगे तेल के कारण एयरलाइन कंपनियों ने डोमेस्टिक फ्लाइट टिकट की कीमतें बढ़ा दी हैं। पिछले दो से चार हफ्तों में डोमेस्टिक सेक्टर के कुछ मुख्य मार्गों पर हवाई किराए में 15 से 30 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है।

इस साल इतना महंगा हुआ जेट फ्यूल

1 जनवरी से शुरू हुई पांच बढ़ोतरी में एटीएफ की कीमतों में 36,644.25 रुपए प्रति किलोलीटर की बढ़ोतरी की गई है। इसके बाद, अंतर्राष्ट्रीय दरों में मजबूती आई है, जिससे एटीएफ की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। एटीएफ की कीमतें पिछली बार नवंबर 2021 के मध्य में 80,835.04 रुपए प्रति किलोलीटर पर पहुंच गई थीं, इससे पहले 1 और 15 दिसंबर को कुल 6,812.25 रुपए प्रति किलोलीटर या 8.4 फीसदी की कटौती की गई थी।

एयरलाइंस ने गर्मियों के लिए साप्ताहिक घरेलू उड़ानों की संख्या 10.1 प्रतिशत बढ़ाई

नयी दिल्ली। एजेंसी

विमानन कंपनियों ने आगामी गर्मियों के लिए अपनी साप्ताहिक घरेलू उड़ानों की संख्या को 10.1 प्रतिशत बढ़ाकर 25,309 कर दी है। इससे पिछले सत्र में यह संख्या 22,980 उड़ानों की थी। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने शुक्रवार को बताया कि विमानन कंपनी इंडिगो ने गर्मियों के लिए अपनी साप्ताहिक उड़ानों की संख्या को 10.4 प्रतिशत बढ़ा दिया है, जो इससे पिछले सीजन में 10,084 की थी।

कोविड-19 महामारी के कारण लगी यात्रा संबंधी बंदिशों ने पिछले दो साल में घरेलू विमानन उद्योग को बुरी तरह प्रभावित किया है। कोरोना महामारी संक्रमण के नए मामलों में कमी आने के बाद पिछले दो हफ्तों में विमानन क्षेत्र की गतिविधियां तेजी से बढ़ी हैं। विमानन नियामक ने कहा कि पिछले महीने वर्चुअल माध्यम से हुई बैठक के बाद भारतीय विमानन कंपनियों को गर्मियों की अनुसूचित उड़ानों को अंतिम रूप दिया गया है। गर्मियों का मौसम 27 मार्च से शुरू हो रहा है और 29 अक्टूबर को समाप्त होगा। डीजीसीए ने कहा, ''देश के 112 हवाईअड्डों से आने-जाने के लिए प्रति सप्ताह 25,309 उड़ानों के संचालन को अंतिम रूप दिया गया है। इनमें में गोंदिया(महाराष्ट्र), जीरो (अरुणाचल प्रदेश) और पुडुचेरी अनुसूचित विमानन कंपनियों द्वारा प्रस्तावित नए हवाई अड्डे भी शामिल हैं।''

आयकर विभाग ने 15 मार्च तक 1.92 लाख करोड़ रुपए का कर रिफंड जारी किया

नयी दिल्ली। एजेंसी

आयकर विभाग ने चालू वित्त वर्ष में 15 मार्च तक 2.24 करोड़ करदाताओं को 1.92 लाख करोड़ रुपए का कर रिफंड जारी किया है। विभाग के अनुसार, इनमें से 37,961.19 करोड़ रुपए के 1.83 करोड़ रिफंड आकलन वर्ष 2021-22 मार्च, 2022 में समाप्त होने वाले वित्त वर्ष के लिए हैं। आयकर विभाग ने ट्वीट किया, ''केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड सीबीडीटी ने एक अप्रैल, 2021 से 15 मार्च, 2022 के दौरान 2.24 करोड़ करदाताओं को 1,92,119 करोड़ रुपए का रिफंड जारी किया है।'' इसमें 70,373 करोड़ रुपए का व्यक्तिगत आयकर रिफंड और 1.21 लाख करोड़ रुपए का कॉरपोरेट कर का रिफंड शामिल है।

रोजगार को बढ़ावा देने के लिए रेलवे उठाने जा रहा बड़ा कदम, जल्द शुरू होगा 'एक स्टेशन, एक उत्पाद' कार्यक्रम

नयी दिल्ली। एजेंसी

भारत की विविधता के विभिन्न आयामों को शामिल करते हुए पारंपरिक शिल्प, लघु उद्योग को बढ़ावा देने एवं रोजगार सृजन के उद्देश्य से सरकार जल्द ही पायलट परियोजना के तौर पर 'एक स्टेशन, एक उत्पाद' कार्यक्रम की शुरूआत करेगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को लोकसभा में यह जानकारी दी। रेल मंत्री ने बताया कि हम भारत की विविधता पर नजर डालें तब उत्तर से लेकर दक्षिण और पूरब से लेकर पश्चिम तक हर जगह अलग-अलग विशिष्ट उत्पाद हैं, अलग खानपान एवं सांस्कृतिक धरोहर हैं। लोकसभा में 'वर्ष 2022-23 के लिए रेल मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदानों की मांगों पर चर्चा' का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में बजट में 'एक स्टेशन, एक उत्पाद' का प्रस्ताव किया गया है। इसके तहत देशभर से विशिष्ट उत्पादों को स्टेशन से संबद्ध किया जायेगा। वैष्णव ने कहा कि उदाहरणस्वरूप बिहार की मधुबनी पेंटिंग, आंध्र प्रदेश के लकड़ी के खिलौने, बंगाल से तांती हैंडलूम साड़ी, असम से गमछा, बेंगलूर से चन्ना पट्टन, चेन्नई से साड़ी और नागपुर से बांस से बने उत्पाद आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा विशिष्ट खानपान एवं वेशभूषा को भी इसमें जोड़ा जायेगा। रेल मंत्री ने कहा, ''जल्द ही पायलट परियोजना के तहत 'एक स्टेशन, एक उत्पाद' कार्यक्रम की शुरूआत की जाएगी।''

इतिहास के आईने में होली

होली वसंत ऋतु में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण भारतीय त्योहार है। यह पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। होली भारत का अत्यंत प्राचीन पर्व है जो होली, होलिका या होलाका नाम से मनाया जाता था। वसंत की ऋतु में हर्षोल्लास के साथ मनाए जाने के कारण इसे वसंतोत्सव और काम-महोत्सव भी कहा गया है। होली वसंत ऋतु में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण भारतीय त्योहार है। यह पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। होली भारत का अत्यंत प्राचीन पर्व है जो होली, होलिका या होलाका नाम से मनाया जाता था। वसंत की ऋतु में हर्षोल्लास के साथ मनाए जाने के कारण इसे वसंतोत्सव और काम-महोत्सव भी कहा गया है। इतिहासकारों का मानना है कि आयरें में भी इस पर्व का प्रचलन था लेकिन अधिकतर यह पूर्वी भारत में ही मनाया जाता था। इस पर्व का वर्णन अनेक पुरातन धार्मिक पुस्तकों में मिलता है। इनमें प्रमुख हैं, जैमिनी के पूर्व मीमांसा-सूत्र और कथा गार्ह्य-सूत्र। नारद पुराण और भविष्य पुराण जैसे पुराणों की प्राचीन हस्तलिपियों और ग्रंथों में भी इस पर्व का उल्लेख मिलता है। विंध्य क्षेत्र के रामगढ़ स्थान पर स्थित ईसा से ३०० वर्ष पुराने एक अभिलेख में भी इसका उल्लेख किया गया है। संस्कृत साहित्य में वसंत ऋतु और वसन्तोत्सव अनेक कवियों के प्रिय विषय रहे हैं। सुप्रसिद्ध मुस्लिम पर्यटक अलबरूनी ने भी अपने ऐतिहासिक यात्रा संस्मरण में होलिकोत्सव का वर्णन किया है। भारत के अनेक मुस्लिम कवियों ने अपनी रचनाओं में इस बात का उल्लेख किया है कि होलिकोत्सव केवल हिंदू ही नहीं कई मुसलमान भी मनाते हैं। सबसे प्रामाणिक इतिहास की तस्वीरें हैं।

भगवान नृसिंह द्वारा हिरण्यकशिपु का वध

होली के पर्व से अनेक कहानियाँ जुड़ी हुई हैं। इनमें से सबसे प्रसिद्ध कहानी है प्रह्लाद की। माना जाता है कि प्राचीन काल में हिरण्यकशिपु नाम का एक अत्यंत बलशाली असुर था। अपने बल के दर्प में वह स्वयं को ही ईश्वर मानने लगा था। उसने अपने राच्य में ईश्वर का नाम लेने पर ही पाबंदी लगा दी थी। हिरण्यकशिपु का पुत्र प्रह्लाद ईश्वर भक्त था। प्रह्लाद की ईश्वर भक्ति से क्रुद्ध होकर हिरण्यकशिपु ने उसे अनेक कठोर दंड दिए, परंतु उसने ईश्वर की भक्ति का मार्ग न छोड़ा। हिरण्यकशिपु की बहन होलिका को वरदान प्राप्त था कि वह आग में भस्म नहीं हो सकती। हिरण्यकशिपु ने आदेश दिया कि होलिका प्रह्लाद को गोद में लेकर आग में बैठे। आग में बैठने म होलिका तो जल गई, पर प्रह्लाद बच गया। ईश्वर भक्त प्रह्लाद की याद में इस दिन होली जलाई जाती है। प्रतीक रूप से यह भी माना जता है कि प्रह्लाद का अर्थ आनन्द होता है। वैर और उत्पीड़न की प्रतीक होलिका (जलाने की लकड़ी) जलती है और प्रेम तथा उल्लास का प्रतीक प्रह्लाद अक्षुण्ण रहता है। प्रह्लाद की कथा के अतिरिक्त यह पर्व राक्षसी ढुंढी, राधा कृष्ण के रास और कामदेव के पुनर्जन्म से भी जुड़ा हुआ है। कुछ लोगों का मानना है कि होली में रंग लगाकर, नाच-गाकर लोग शिव के गणों का वेश धारण करते हैं तथा शिव की बारात का दृश्य बनाते हैं। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि भगवान श्रीकृष्ण ने इस दिन पूतना नामक राक्षसी का वध किया था। इसी खुशी में गोपियों और ग्वालों ने रासलीला की और रंग खेला था।

होली के पर्व की तरह इसकी परंपराएँ भी अत्यंत प्राचीन हैं, और इसका स्वरूप और उद्देश्य समय के साथ बदलता रहा है। प्राचीन काल में यह विवाहित महिलाओं द्वारा परिवार की सुख समृद्धि के लिए मनाया जाता था और पूर्ण चंद्र की पूजा करने की परंपरा थी। । वैदिक काल में इस पर्व को नवात्रैष्टि यज्ञ कहा जाता था। उस समय खेत के अधपके अन्न को यज्ञ में दान करके प्रसाद लेने का विधान समाज में व्याप्त था। अन्न को होला कहते हैं, इसी से इसका नाम होलिकोत्सव पड़ा। भारतीय च्योतिष के अनुसार चैत्र शुदी प्रतिपदा के दिन से नववर्ष का भी आरंभ माना जाता है। इस उत्सव के बाद ही चैत्र महीने का आरंभ होता है। अतः यह पर्व नवसंवत का आरंभ तथा वसंतागमन का प्रतीक भी है। इसी दिन प्रथम पुरुष मनु का जन्म हुआ था, इस कारण इसे मन्वादितिथि कहते हैं।

सार्वजनिक होली मिलन

भारत में मनाए जाने वाले होली में होली से अगला दिन धूलिवंदन कहलाता है। इस दिन लोग रंगों से खेलते हैं। सुबह होते ही सब अपने मित्रों और रिश्तेदारों से मिलने निकल पड़ते हैं। गुलाल और रंगों से सबका स्वागत किया जाता है। लोग अपनी ईष्या-द्वेष की भावना भुलाकर प्रेमपूर्वक गले मिलते हैं तथा एक-दूसरे को रंग लगाते हैं। इस दिन जगह-जगह टोलियाँ रंग-बिरंगे कपड़े पहने नाचती-गाती दिखाई पड़ती हैं। बच्चे पिचकारियों से रंग छोड़कर अपना मनोरंजन करते हैं। सारा समाज होली के रंग में रंगकर एक-सा बन जाता है। रंग खेलने के बाद देर दोपहर तक लोग नहाते हैं और शाम को नए वस्त्र पहनकर सबसे मिलने जाते हैं। प्रीति भोज तथा गाने-बजाने के कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।

होली के दिन घरों में विभिन्न व्यंजन पकाए जाते हैं। इस अवसर पर अनेक मिठाइयाँ बनाई जाती हैं जिनमें गुझियों का स्थान अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। बेसन के सेव और दहीबड़े भी सामान्य रूप से उत्तर प्रदेश में रहने वाले हर परिवार में बनाए व खिलाए जाते हैं। कांजी, भांग और ठंडाई इस पर्व के विशेष पेय होते हैं। पर ये कुछ ही लोगों को भाते हैं। इस अवसर पर उत्तरी भारत के प्रायः सभी राज्यों के सरकारी कार्यालयों में अवकाश रहता है, पर दक्षिण भारत में उतना लोकप्रिय न होने की वज़ह से इस दिन सरकारी संस्थानों में अवकाश नहीं रहता। भारत में होली का उत्सव अलग-अलग प्रदेशों में भिन्नता के साथ मनाया जाता है। ब्रज की होली आज भी सारे देश के आकर्षण का बिंदु होती है। बरसाने की लठमार होली काफ़ी प्रसिद्ध है। इसमें पुरुष महिलाओं पर रंग डालते हैं और महिलाएँ उन्हें लाठियों तथा कपड़े के बनाए गए कोड़ों से मारती हैं। इसी प्रकार मथुरा और वृंदावन में भी 15 दिनों तक होली का पर्व मनाया जाता है। कुमाऊँ की गीत बैठकी में शास्त्रीय संगीत की गोष्ठियाँ होती हैं। यह सब होली के कई दिनों पहले शुरू हो जाता है। हरियाणा की धुलंडी में भाभी द्वारा देवर को सताए जाने की प्रथा है। बंगाल की दोल जात्रा चैतन्य महाप्रभु के जन्मदिन के रूप में मनाई जाती है। जलूस निकलते हैं और गाना बजाना भी साथ रहता है। इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र की रंग पंचमी में सूखा गुलाल खेलने, गोवा के शिमगो में जलूस निकालने के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन तथा पंजाब के होला मोहल्ला में सिक्खों द्वारा शक्ति प्रदर्शन की परंपरा है। दक्षिण गुजरात के आदिवासियों के लिए होली सबसे बड़ा पर्व है, छत्तीसगढ़ की होरी में लोक गीतों की अद्भुत परंपरा है और मध्यप्रदेश के मालवा अंचल के आदिवासी इलाकों में बेहद धूमधाम से मनाया जाता है भगोरिया, जो होली का ही एक रूप है। बिहार का फगुआ जम कर मौज मस्ती करने का पर्व है और नेपाल की होली में धार्मिक व सांस्कृतिक रंग दिखाई देता है। इसी प्रकार विभिन्न देशों में बसे प्रवासियों तथा धार्मिक संस्थाओं जैसे इस्कॉन या वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में अलग अलग प्रकार से होली के श्रृंगार व उत्सव मनाने की परंपरा है जिसमें अनेक समानताएं और भिन्नताएँ हैं।

साहित्य में होली का इतिहास

प्राचीन काल के संस्कृत साहित्य में होली के अनेक रूपों का विस्तृत वर्णन है। श्रीमद्भागवत महापुराण में रसों के समूह रास का वर्णन है। अन्य रचनाओं में रंग नामक उत्सव का वर्णन है। भक्तिकाल और रीतिकाल के हिन्दी साहित्य में होली और फाल्गुन माह का विशिष्ट महत्व रहा है। आदिकालीन कवि विद्यापति से लेकर भक्तिकालीन सूरदास, रहीम, रसखान, पद्माकर, जायसी, मीराबाई, कबीर और रीतिकालीन बिहारी, केशव, घनानंद आदि अनेक कवियों को यह विषय प्रिय रहा है। महाकवि सूरदास ने वसन्त एवं होली पर 78 पद लिखे हैं। पद्माकर ने भी होली विषयक प्रचुर रचनाएँ की हैं। इस विषय के माध्यम से कवियों ने जहाँ एक ओर नितान्त लौकिक नायक नायिका के बीच खेली गई अनुराग और प्रीति की होली का वर्णन किया है, वहीं राधा कृष्ण के बीच खेली गई प्रेम और छेड़छाड़ से भरी होली के माध्यम से सगुण साकार भक्तिमय प्रेम और निर्गुण निराकार भक्तिमय प्रेम का निष्पादन कर डाला है। सूफ़ी संत हज़रत निज़ामुद्दीन औलिया, अमीर खुसरो और बहादुर शाह ज़फ़र जैसे मुस्लिम संप्रदाय का पालन करने वाले कवियों ने भी होली पर सुंदर रचनाएं लिखी हैं जो आज भी जन सामान्य में लोकप्रिय हैं। आधुनिक हिंदी कहानियों प्रेमचंद की राजा हरदोल, प्रभु जोशी की अलग अलग तीलियाँ, तेजेंद्र शर्मा की एक बार फिर होली, ओम प्रकाश अवस्थी की होली मंगलमय हो तथा स्वदेश राणा की हो ली में होली के अलग अलग रूप देखने को मिलते हैं। भारतीय फिल्मों में भी होली के दृश्यों और गीतों को सुंदरता के साथ चित्रित किया गया है। इस दृष्टि से शशि कपूर की उत्सव, यश चोपड़ा की सिलसिला, वी शांताराम की झनक झनक पायल बाजे और नवरंग इत्यादि उल्लेखनीय हैं।

संगीत में होली का इतिहास

वसंत रागिनी- कोटा शैली में रागमाला श्रृंखला का एक लघुचित्रभारतीय शास्त्रीय, उपशास्त्रीय, लोक तथा फिल्मी संगीत की परम्पराओं में होली का विशेष महत्व है। शास्त्रीय संगीत में धमार का होली से गहरा संबंध है, हाँलाँकि ध्रुपद, धमार, छोटे व बड़े ख्याल और ठुमरी में भी होली के गीतों का सौंदर्य देखते ही बनता है। कथक नृत्य के साथ होली, धमार और ठुमरी पर प्रस्तुत की जाने वाली अनेक सुंदर बंदिशें जैसे चलो गुंइयां आज खेलें होरी कन्हैया घर आज भी अत्यंत लोकप्रिय हैं। ध्रुपद में गाये जाने वाली एक लोकप्रिय बंदिश है खेलत हरी संग सकल, रंग भरी होरी सखी। भारतीय शास्त्रीय संगीत में कुछ राग ऐसे हैं जिनमें होली के गीत विशेष रूप से गाए जाते हैं। बसंत, बहार, हिंडोल और काफ़ी ऐसे ही राग हैं। होली पर गाने बजाने का अपने आप वातावरण बन जाता है और जन जन पर इसका रंग छाने लगता है। उपशास्त्रीय संगीत में चैती, दादरा और ठुमरी में अनेक प्रसिद्ध होलियां हैं। होली के अवसर पर संगीत की लोकप्रियता का अंदाज़ इसी बात से लगाया जा सकता है कि संगीत की एक विशेष शैली का नाम ही होली हैं, जिसमें अलग अलग प्रांतों में होली के विभिन्न वर्णन सुनने को मिलते है जिसमें उस स्थान का इतिहास और धार्मिक महत्व छुपा होता है। जहां ब्रजधाम में राधा और कृष्ण के होली खेलने के वर्णन मिलते हैं वहीं अवध में राम और सीता के जैसे होली खेलें रघुवीरा अवध में। राजस्थान के अजमेर शहर में ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर गाई जाने वाली होली का विशेष रंग है। उनकी एक प्रसिद्ध होली है आज रंग है री मन रंग है,अपने महबूब के घर रंग है री। इसी प्रकार शंकर जी से संबंधित एक होली में दिगंबर खेले मसाने में होली कह कर शिव द्वारा श्मशान में होली खेलने का वर्णन मिलता हैं। भारतीय फिल्मों में भी अलग अलग रागों पर आधारित होली के गीत प्रस्तुत किये गए हैं जो काफी लोकप्रिय हुए हैं। सिलसिला के गीत रंग बरसे भीगे चुनर वाली, रंग बरसे और नवरंग के आया होली का त्योहार, उड़े रंगों की बौछार, को आज भी लोग भूल नहीं पाए हैं।

आसुस ने नए आरओजी स्ट्रिक्स और टीयूएफ सीरीज लैपटॉप लॉन्च किए

नयी दिल्ली। एजेंसी

रिपब्लिक ऑफ गेमर्स (आरओजी), आसुस इंडिया ने आज भारत में नए 12वीं जेनरेशन के इंटेलरु कोररू एच-सीरीज प्रोसेसर और नए एएमडी राइजेनरू 6000 सीरीज मोबाइल प्रोसेसर वाले नए लैपटॉप के लॉन्च के साथ अपने प्रोडक्ट लाइनअप को अपडेट किया। लैपटॉप को गेमिंग अनुभव को बेहतर बनाने, उत्पादकता बढ़ाने और उपभोक्ताओं के लिए पसंदीदा पेशकश करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इन लैपटॉप की नई रेंज में आरओजी स्ट्रिक्स एससीएआर 15/17, आरओजी स्ट्रिक्स उ15/17, आसुस टीयूएफ इ15/17, और टीयूएफ 15/17 शामिल हैं।

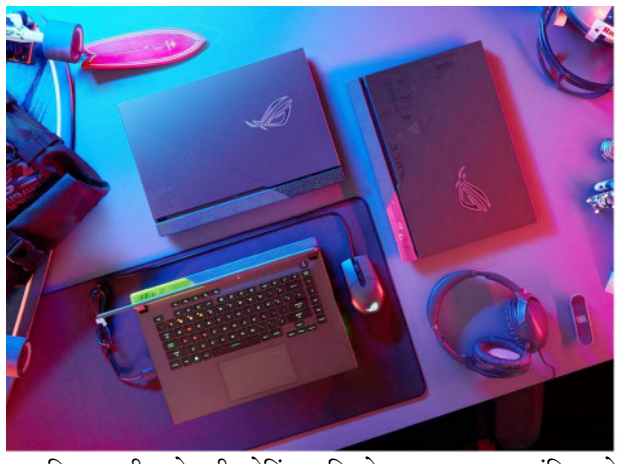

आधुनिक तकनीक से बनी, गेमिंग मशीनें गेमर्स को विविधता प्रदान करती हैं, और गेमप्ले के अनुभव को बेहतर बनाती हैं।

गेमिंग कंप्यूटरों की नई रेंज के बारे में, अर्नोल्ड सु, बिजनेस हेड, कंज्यूमर एवं गेमिंग पीसी, सिस्टम बिजनेस ग्रुप, आसुस इंडिया ने कहा कि 'आसुस में आधुनिक तकनीक, इनोवेशन और विविधता के बीच तालमेल बनाकर, हम अपने ग्राहकों को गेमिंग के लिए सर्वोत्तम संभव अनुभव प्रदान कर रहे हैं, जिस पर हमें गर्व है। हमें विश्वास है कि नया टीयूएफ और स्ट्रिक्स लाइनअप प्रतिस्पर्धी गेमर्स को एक बढ़त देगा और कैजुअल प्लेयर्स को एक नया अनुभव प्रदान करेगा। कॉम्पैक्ट फॉर्म फैक्टर में डिज़ाइन की गई, मशीनें आज की जीवन शैली के लिए एकदम उपयुक्त हैं, जो व्यक्ति को काम के बीच आसानी से गेमिंग की सुविधा प्रदान करती है। उपकरणों के नए सेट के साथ, हमें उम्मीद है कि हम गेमिंग अनुभव और भारतीय गेमिंग समुदाय के गेमिंग इकोसिस्टम को और बेहतर बनाएंगे।'

फ्लैगशिप स्ट्रिक्स एससीएआर 15 और एससीएआर 17 सबसे नए इनोवेशन हैं, जो सबसे अधिक गेमिंग की चाह रखने वाले गेमर्स को अपने गेम में टॉप पर रहने और सर्वश्रेष्ठ प्लेयर को हराने में सक्षम बनाता है। ये गेमिंग मशीनों में इंटेलरु कोररू आई9-12900एच सीपीयू, एक एनवीआईडीआईएरु जेफार्स आरटीएक्सरू 3080 टीआई लैपटॉप जीपीयू और एमयूएक्स स्विच हैं, और नए तेज़ डीडीआर5 रैम हार्डवेयर को पूरी तरह से रिडिज़ाइन किए गए फैन्स और अन्य लिक्विड मेटल कूलिंग अपग्रेड्स के साथ अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने में मदद करता है। समर्पित एमयूएक्स स्विच लेटेंसी को कम करने और परफॉरमेंस को बढ़ाने में मदद करता है, जिससे एएए गेमिंग और स्ट्रीमिंग अनुभव आसान हो जाता है। मशीन क्यूएचडी 240 हर्ट्ज डिस्प्ले, डॉल्बी विजन एचडीआर और एडाप्टिव सिंक के साथ शानदार गेमिंग और व्यूइंग एक्सपीरियंस प्रदान करती है। आपकी आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किए गए, स्ट्रीक्स एससीएआर में कस्टमाइज करने योग्य आर्मर कैप्स और आरजीबी लाइटिंग है ताकि आपकी गेमिंग शैली के अनुरूप कलर जोड़ा जा सके। उपभोक्ताओं की वर्तमान जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए, लैपटॉप तेजी से चार्ज करने और गो मोड में जाने के लिए यूएसबी टाइप-सी चार्जिंग को सपोर्ट करता है। हालांकि, जब सप्लाई किए गए 280 पावर एडॉप्टर का उपयोग करके चार्ज किया जाता है, तो एससीएआर केवल 30 मिनट में 0ज से 50ज चार्ज तक रिचार्ज कर सकता है।

हायर इंडिया ने भारत में नए ओएलईडी प्रो टीवी के साथ अपने होम एंटरटेनमेंट सेगमेंट का दायरा बढ़ाया

■हायर के नए एंड्रॉइड ओएलईडी टीवी में डॉल्बी एटमॉस, डॉल्बी विजन और फार-फील्ड वॉयस टेक्नोलॉजी है जो विशेष विजुअल एक्सपीरियंस प्रदान करता है

■165 सेमी 65-इंच स्क्रीन साइज में उपलब्ध, नये हायर ओएलईडी में शानदार, अल्ट्रा स्लिम 4.9 मिमी बेज़ेल-रहित डिज़ाइन है, जो आधुनिक घरों के लिए इसे सुरुचिपूर्ण स्मार्ट हब बनाता है।

नयी दिल्ली। एजेंसी

होम अप्लायंसेज और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स में अग्रणी वैश्विक कंपनी और लगातार 13 वर्षों से प्रमुख अप्लायंसेज के क्षेत्र में दुनिया के नंबर 1 ब्रांड, हायर ने उपभोक्ताओं के लिए भारत में अपना नया अल्ट्रा-स्लिम 4.9 मिमी ओएलईडी टीवी लॉन्च किया है। इसमें उत्कृष्ट मेटल-बेज़ल-रहित डिज़ाइन के साथ असली मनोरंजन का अनुभव, और उपभोक्ताओं के लिए अधिक गहरे व्यूइंग एक्सपीरियंस के लिए शानदार पिक्चर क्वालिटी है। इसके अलावा, हायर के नए एंड्रॉइड-संचालित ओएलईडी टीवी में एडवांस्ड फ्री-हैंड कंट्रोल के लिए फार-फील्ड वॉयस असिस्टेंस मौजूद है।

सबसे शानदार दृश्यों के साथ अधिक प्रभावशाली और जबरदस्त एंटरटेनमेंट एक्सपीरियंस

लाखों सेल्फ़-इल्यूमिनेटिंग पिक्सल और 4ख रिज़ॉल्यूशन के साथ, हायर का नया ओएलईडी टीवी गहरे शुद्ध ब्लैक कलर के साथ असाधारण रूप से असली पिक्चर दर्शाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह यूजर एक्सपीरियंस पर मुख्य ध्यान देने के साथ ही, इसमें कई फीचर्स वाला पावर-पैक है जो इसे बिंज-वाचिंग और अन्य कई सुविधाओं वाला उत्पाद बनाता है।

डिसप्ले एवं पिक्चर क्वालिटी

नए हायर ओएलईडी टीवी में कलर नेचुरल बने रहते हैं और पिक्चर क्वालिटी शानदार रहती है, जो शानदार व्यूइंग एक्सपीरियंस प्रदान करती है। डिस्प्ले का शुद्ध ब्लैक कलर गहरी रात जैसा है, जो पिक्चर के विषय को अधिक उभारता है। गहरे कंट्रास्ट डिटेल्स के साथ भरपूर शेडिंग डिटेल्स शानदार पिक्चर क्वालिटी प्रदान करते हैं जिसमें असंख्य कलर अपने वास्तविक रूप में जीवंत दिखते हैं। नए ओएलईडी टीवी में डॉल्बी विजनरु के रूप में एक अतिरिक्त लाभ शामिल है, जो एडवांस्ड इमेजिंग तकनीक है और जो वाइड कलर गैमट क्षमताओं के साथ हाई डायनेमिक रेंज एचडीआर को जोड़ती है। डॉल्बी विजनरु में मनोरंजन को जीवंत बनाने के लिए फिल्म निर्माता और क्रिएटर्स शक्तिशाली कैमरों और विशेष उत्पादन तकनीकों का उपयोग करते हैं। हायर ओएलईडी टीवी के साथ, उपभोक्ता अपने घरों में आराम से इस सुविधा का आनंद ले सकते हैं!

लॉन्च के अवसर पर श्री सतीश एनएस, चेयरमैन, हायर अप्लायंसेज इंडिया ने कहा कि 'हायर इंडिया में, हम भारतीय उपभोक्ताओं की नई लाइफ स्टाईल के अनुकूल बेस्ट-इन-क्लास इनोवेशन के जरिये लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। यह लॉन्च हमारे प्रयास का एक उदाहरण है और हायर के 'इंस्पायर्ड लिविंग' की ब्रांड फिलॉसफी के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। नए हायर ओएलईडी टीवी को नए फीचर्स और स्टाइलिश बेज़ल-लेस डिज़ाइन के माध्यम से कंज्यूमर एक्सपीरियंस को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। हम अपने संपूर्ण प्रोडक्ट रेंज में उत्कृष्टता और उपयोगकर्ता-प्रेरित इनोवेशन के लिए प्रयास करना जारी रखेंगे, ताकि हम भारतीय बाजार की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा कर सकें।'

सयाजी इंदौर ने वर्ल्ड बारबेक्यू फूड फेस्टिवल 'कबाब्सविल' के साथ शहर का सबसे बड़ा बारबेक्यू और ग्रिल फेस्टिवल मनाया

इंदौर। एजेंसी

पांच सितारा लग्जरी हॉस्पिटैलिटी ब्रांड, सयाजी ग्रुप ऑफ होटल्सकी फ्लैगशिप प्रॉपर्टी, सयाजी इंदौर ने आज कबाब्सविल में अपने सबसे बड़े ग्रिल एवं बारबेक्यू फेस्टिवल की घोषणा की। इस फेस्टिवल में न केवल पूरे विश्व की संस्कृति और विश्व स्तरीय खानपान उपलब्ध रहेगा, बल्कि विश्व स्तरीय सजावट और मनोरंजन का भी अतिरिक्त रंग मौजूद होगा। फूड फेस्टिवल आज से शुरू होकर 20 मार्च 2022 तक, 10 दिनों के लिए खुला रहेगा। फेस्टिवल के दौरान हर दिन का मेनू अलग होगा, ताकि शहर को वर्ल्ड ग्रिल और बारबेक्यू व्यंजनों का खास स्वाद मिल सके।

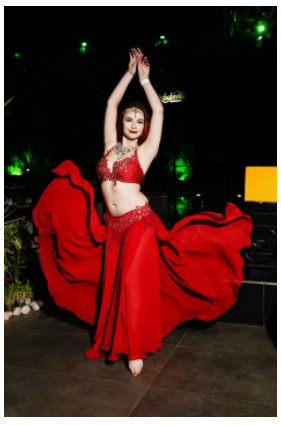

फेस्टिवल के दौरान शेफ के बनाये हुए विशेष ग्रिल मेनू में स्वादिष्ट व्यंजन परोसे जाएंगे, जिनमें ट्यूनीशियाई बारबेक्यू विंग्स, ग्रिल्ड हॉलौमी, एवोकैडो ब्रूसचेट्टा, कबाब बख्तियारी, सोसाती कबाब (लैम्ब) तथा दुनिया भर से कई अन्य शाकाहारी और मांसाहारी व्यंजन रखे जाएंगे। सयाजी इंदौर का लक्जरी और विशेष हॉस्पिटैलिटी आपको इस फूड फेस्टिवल का हिस्सा बनने के लिए आकर्षित करेगी जिसमें आपके लिएमनोरंजन के साथ ग्रिल काशानदार सुगंधित भोजन भी उपलब्ध रहेगा। फूड फेस्टिवल के बारे में, सयाजी होटल्स इंदौर के एक्जिक्यूटिव शेफ, मीर हाफिजुर रहमान ने कहा कि 'फूड फेस्टिवल का आयोजन अधिक से अधिक ग्राहकों का ध्यान खींचने के लिए किया जाता है, ताकि रेस्टोरेंट में अधिक से अधिक लोग आएं। हालांकि सयाजी इंदौर का कबाब्सविल शहर का एकमात्र रेस्टोरेंट है जो साल के पूरे सप्ताह और वीकेंड को कवर करता है। रेस्टोरेंट को शहर से बहुत प्यार और स्नेह मिला है, जिसके सम्मान में, इस आउटलेट के लिए विश्व स्तरीय फूड फेस्टिवल की योजना बनाई गई है। सयाजी हमेशा आपकी सेवा में मौजूद रहा है और हम चाहेंगे कि सयाजी इंदौर हमेशा आपकी सेवा करते हुए आपका पसंदीदा बना रहे।'

अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू होने से बीएलएस इंटरनेशनल को वीजा मांग बढ़ने की उम्मीद

मुंबई। एजेंसी

वीजा सेवाएं प्रदान करने वाली बीएलएस इंटरनेशनल को अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें 27 मार्च से फिर से शुरू करने के निर्णय के बाद वीजा संबंधी सेवाओं में वृद्धि की उम्मीद है। बीएलएस इंटरनेशनल के संयुक्त प्रबंध निदेशक शिखर अग्रवाल ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि वैश्विक यात्रा उद्योग के खुलने और कोविड-19 संक्रमण के नए मामलों में कमी के साथ कंपनी को उम्मीद है कि भारत और अन्य देशों में वीज़ा और दूतावास संबंधी सेवाओं में वृद्धि होगी। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने दो साल तक रोक के बाद मंगलवार को 27 मार्च से अंतर्राष्ट्रीय उड़ान सेवाओं के संचालन की अनुमति दी है। अग्रवाल ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय उड़ान सेवाओं की शुरुआत के साथ वीजा संबंधी सेवाओं की मांग बड़े पैमाने पर बढ़ेगी। कंपनी 62 देशों में सेवाएं देती है और वर्तमान में 45 से अधिक सरकारी ग्राहकों के लिए काम कर रही है।

चीन में कहर बरपा रहा 'गुप्त' ओमीक्रोन

5 करोड़ लोग लॉकडाउन, फेल हुई जीरो कोविड नीति

बीजिंग। एजेंसी

चीन में कोरोना वायरस का 'गुप्त' ओमीक्रोन वेरिएंट विकराल रूप धारण करता जा रहा है। चीन में कोरोना महामारी शुरू होने के बाद पहली बार नए कोरोना मामलों की संख्या बढ़कर 5200 तक पहुंच गई है। चीन के कई इलाकों में ओमीक्रोन का यह वेरिएंट बहुत तेजी से पैर पसार रहा है। इस बीच ओमीक्रोन पर काबू पाने के लिए चीन ने कई शहरों में 5 करोड़ लोगों को लॉकडाउन कर दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन में बढ़ते कोरोना मामलों से उसकी बेहद सख?त 'जीरो कोविड नीति' अप्रभावी साबित हो रही है। चीन से आ रही खबरों के मुताबिक अब तक कम से कम 10 शहरों में लॉकडाउन लगाया गया है। वहीं स्वास्थ्य अधिकारियों ने भी चेतावनी दी है कि और कड़े प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। चीन के औद्योगिक शहर शंघाई में कड़े नियम एक बार फिर से आवासीय इलाकों और ऑफिस परिसर में लागू कर दिए गए हैं। हजामत सूट पहने कार्यकर्ता पुलिस टेप, मेटल गेट लगा रहे हैं ताकि वायरस के प्रसार को रोका जा सके।

शंघाई टावर को भी सील कर दिया गया

दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची बिल्डिंग शंघाई टावर को भी सील कर दिया गया है। मंगलवार को छोड़कर चीन में आधिकारिक रूप से अब तक केवल दो बार ऐसा मौका आया है जब कोरोना के मामलों की संख्या 5 हजार को पार कर गई है। इससे पहले वुहान में कोरोना की शुरुआत के दौरान दो बार 5 हजार मामले सामने आए थे। चीन में गुप्त ओमीक्रोन बहुत तेजी से फैल रहा है। इसे BA.2 उप वेरिएंट के नाम से जाना जाता है जो मूल ओमीक्रोन की तुलना में डेढ़ गुना ज्यादा संक्रामक है।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि संक्रमण का यह ताजा दौर अप्रैल की शुरुआत में ही काबू पाया जा सकता है। तब तक चीन में 35 हजार नए मामले सामने आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह कोरोना संक्रमण वुहान महामारी के बाद सबसे गंभीर संक्रमण है। इस बीच दुनियाभर में कोरोना वायरस के मामले बढ़कर 45.96 करोड़ हो गए हैं। इस महामारी से अबतक कुल 60.4 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, जबकि 10.70 अरब से ज्यादा का वैक्सीनेशन हुआ हैं।

कोरोना मामलों में भारत दूसरा सबसे प्रभावित देश

ये जानकारी जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी ने साझा की है। नए अपडेट में बताया कि वर्तमान वैश्विक मामले, मरने वालों और टीकाकरण की कुल संख्या बढ़कर क्रमशः 459,638,565, 6,045,441 और 10,707,233,146 हो गई है। सीएसएसई के अनुसार, दुनिया के सबसे ज्यादा मामलों और मौतों 79,562,252 और 965,105 के साथ अमेरिका

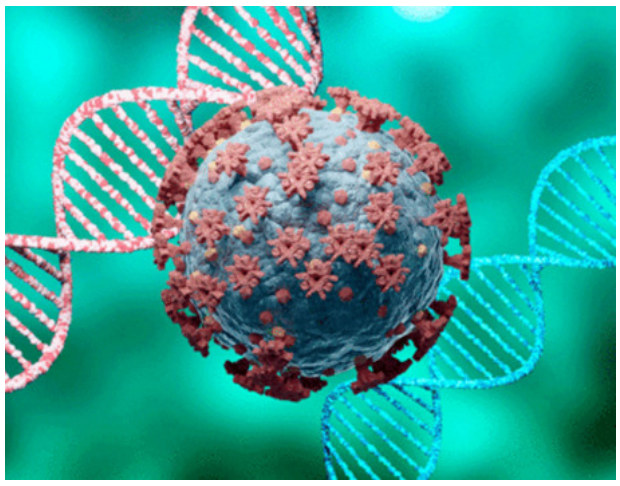

सबसे ज्यादा प्रभावित देश बना हुआ है। कोरोना मामलों में भारत दूसरा सबसे प्रभावित देश है, जहां कोरोना के 42,993,494 मामले सामने आ चुके हैं, जबकि 515,877 लोगों की मौत हो चुकी है, इसके बाद ब्राजील में कोरोना के 29,391,345 मामले सामने आ चुके हैं, जबकि 655,557 लोगों की मौत हो चुकी हैं।

सेबी ने 'लापता' डिफॉल्टरों की सूची जारी की

नयी दिल्ली। एजेंसी

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सोमवार को नौ 'लापता' व्यक्तिगत डिफॉल्टरों की सूची जारी की। सेबी ने कहा कि वसूली (रिकवरी) अधिकारी ने नौ व्यक्तियों के खिलाफ वसूली प्रमाणपत्र तैयार किए थे, लेकिन ये नोटिस चूककर्ताओं को उनके अंतिम ज्ञात पते पर नहीं दिए जा सके। एक बयान के मुताबिक, ये नोटिस जून, 2014 से नवंबर, 2021 के बीच जारी किए गए थे। ये डिफॉल्टर निवेशकों का धन वापस करने में विफल रहे हैं या फिर नियामक द्वारा उन पर लगाए गए जुर्माने का भुगतान नहीं कर पाए हैं। सेबी ने इनके खिलाफ वसूली की कार्रवाई शुरू की है। इन डिफॉल्टरों में रजनीश भंवरलाल जैन, प्रशांत मुलेकर, सुलेमान सद्रू मर्चेंट, नरेश शाह, कौशिक करसनभाई पटेल, वर्षा मधुसुन सतपालकर एवं जनार्दन अरविंद पारुलेकर, सुधीर नाथूराम पवार एवं सोमित किशनचंद्र सक्सेना, रजनी राजन गीते और गिरीश श्रीचंद वलेचा एवं नगमा हुसैन अहमद अंसारी शामिल हैं।

एयरोब्रिज का इस्तेमाल नहीं करने वाली एयरलाइंस पर जुर्माना लगाया जाए : समिति

नयी दिल्ली। एजेंसी

निजी क्षेत्र की एयरलाइंस विमान में सवार होने या उतरने के समय पैसा बचाने के लिए एयरोब्रिज का इस्तेमाल नहीं कर रही हैं जिससे बुजुर्ग लोगों को काफी परेशानी होती है और उन्हें सीढ़ियों का इस्तेमाल करना पड़ता है। परिवहन, पर्यटन और संस्कृति पर संसदीय समिति की एक रिपोर्ट में यह उल्लेख किया गया है। एयरोब्रिज किसी हवाईअड्डे के टर्मिनल के द्वार को वहां खड़े किसी विमान के द्वार से सीधे जोड़ने का काम करता है। समिति की सोमवार को राज्यसभा में पेश रिपोर्ट में कहा गया है कि निजी एयरलाइंस का यह रुख काफी उदासीन और अनुचित है। समिति ने नागर विमानन मंत्रालय को ऐसी एयरलाइंस पर जुर्माना लगाने का सुझाव दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, कई हवाईअड्डों पर एयरोब्रिज की सुविधा उपलब्ध है लेकिन एयरलाइंस यात्रियों को विमान पर सवार करने या उतारने के लिए इनका इस्तेमाल नहीं कर रही हैं। इसके बजाय वे सीढ़ियों का इस्तेमाल करती हैं।

रिपोर्ट कहती है कि विमानन कंपनियां यात्रियों से एयरोब्रिज सुविधा का शुल्क वसूलती हैं, लेकिन परिचालन लागत को घटाने के लिए वे इनका इस्तेमाल नहीं करतीं। इसकी वजह से विशेषरूप से बुजुर्ग यात्रियों का काफी परेशानी होती है और उन्हें सीढ़ियों का इस्तेमाल करने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

भारत में हथियारों के आयात में रूस का हिस्सा घटकर 2017-21 में 46 प्रतिशत रह गया: रिपोर्ट

नयी दिल्ली। एजेंसी

भारत में हथियारों के आयात में रूस की हिस्सेदारी 2012-17 के 69 प्रतिशत से घटकर 2017-21 में 46 प्रतिशत रह गई। स्वीडन स्थित थिंक टैंक स्टॉकहोम अंतरराष्ट्रीय शांति अनुसंधान संस्थान 'एसआईपीआरआई' द्वारा सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रूस ने 24 फरवरी से यूक्रेन के खिलाफ युद्ध शुरू किया, जिसके कारण अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों ने उस पर अत्यधिक कठोर आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं।

रिपोर्ट में कहा गया, "2012-16 और 2017-21 के बीच भारत में हथियारों के आयात में 21 प्रतिशत की कमी आई। इसके बावजूद, भारत 2017-21 में प्रमुख हथियारों का दुनिया में सबसे बड़ा आयातक रहा और इस अवधि में विश्व में हथियारों के कुल आयात में भारत की हिस्सेदारी 11 प्रतिशत रही।" एसआईपीआरआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2012-16 और 2017-21 की अवधि में रूस भारत को प्रमुख हथियारों का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता रहा, लेकिन भारत में रूसी हथियारों के आयात में इन दो अवधियों के बीच 47 प्रतिशत की गिरावट आई, क्योंकि रूसी हथियारों के लिए कई बड़े कार्यक्रम बंद हो गए।

रिपोर्ट में उल्लेख किया गया

है कि अपने हथियार आपूर्तिकर्ता आधार में विविधता लाने के भारत के बढ़ते प्रयासों के कारण कुल भारतीय हथियारों के आयात में रूस का हिस्सा 69 प्रतिशत से गिरकर 46 प्रतिशत हो गया। इसके विपरीत, फ्रांस से भारत के हथियारों का आयात दस गुना से अधिक बढ़ गया, जिससे वह 2017-21 में भारत का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता बन गया। रिपोर्ट के अनुसार, चीन और पाकिस्तान से बढ़ते खतरों और स्वदेश में प्रमुख हथियारों के उत्पादन में उल्लेखनीय देरी के कारण भारत के पास हथियारों के आयात के लिए व्यापक योजनाएं हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, "भारत के हथियारों के आयात में कमी संभवतः इसकी धीमी और जटिल खरीद प्रक्रिया के साथ-साथ आपूर्तिकर्ताओं में बदलाव का एक अस्थायी परिणाम है।" वैश्विक स्तर पर 2012-16 और 2017-21 के बीच रूस के हथियारों के निर्यात में 26 प्रतिशत की गिरावट आई और वैश्विक हथियारों के निर्यात में इसकी हिस्सेदारी 24 प्रतिशत से घटकर 19 प्रतिशत हो गई। रूस ने 2017-21 में 45 देशों को बड़े हथियार दिए।

रिपोर्ट में इस बात का जिक्र किया गया है कि अमेरिका के विपरीत 2017-21 में रूस का निर्यात चार देशों - भारत, चीन, मिस्र और अल्जीरिया पर अधिक केंद्रित था। इन देशों ने कुल रूसी हथियारों के निर्यात का 73 प्रतिशत प्राप्त किया। एसआईपीआरआई की रिपोर्ट के अनुसार, "2012-16 और 2017-21 के बीच रूसी हथियारों के निर्यात में कुल कमी लगभग पूरी तरह से भारत (-47 प्रतिशत) और वियतनाम (-71 प्रतिशत) को हथियारों के निर्यात में कमी के कारण थी।" पिछले 10 वर्षों में हस्ताक्षरित कई हथियार निर्यात अनुबंध 2021 के अंत तक पूरे हो गए थे, हालांकि कई बड़े रूसी हथियारों की आपूर्ति अब भी लंबित है, इसमें आठ वायु रक्षा प्रणाली, चार जंगी जहाज और एक परमाणु-संचालित पनडुब्बी शामिल हैं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।